करीना ने फिल्म फेस्टिवल के लिए कराया फोटोशूट

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 42 | अंक : 167 | शुक्रवार, 20 सितंबर 2024 | 3 रुपए | पृष्ठ 4

/ulhasvikas | संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) | Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

गणेशोत्सव का बैनर फाड़ने पर 2 मंडलों में हुआ राडा

■ 2 घायल, 2 आरोपी गिरफ्तार

अंबरनाथ. अंबरनाथ में एक गणेशोत्सव मंडल का बैनर फाड़ने पर दो मंडलों में विवाद हो गया. एक मंडल के युवक ने चाकू से हमला करके दो लोगों को घायल कर दिया है. अंबरनाथ रेलवे स्थानक के पास स्थित स्वामी नगर में तमिल बस्ती है. यहां पर कई मंडलों ने गणेशोत्सव के लिए पंडाल लगाकर जगह-जगह बैनर भी लगाए हैं. चुनाव नजदीक होने के कारण कुछ राजनीतिक पार्टी की चाह रखने वाले मंडलों के कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने नेताओं के फोटे के साथ शुभेच्छा के बैनर शहर में लगाए हैं. जिसमें तमिल चोलन बॉइज का बैनर जय गणेश गणपति मंडल के कार्यकर्ता सुरेश सुब्रमणि व अन्य कार्यकर्ताओं ने फाड़ दिया. बैनर क्यों फाड़ा, ये पूछने के लिए देवा देवेंद्रन, शिवकुमार मुरुगन व अन्य कार्यकर्ता गणपति मंडल के सुरेश सुब्रमणि को पूछने के लिए गए. जिस पर झगड़ा बढ़ गया और सुरेश ने धारदार चाकू से देवा की पीठ पर वार करके घायल कर दिया. साथ ही शिवकुमार मुरुगन को भी मारा. इस प्रकरण में शिवाजी नगर पुलिस ने सुरेश सुब्रमणि और विक्रम सुब्रमणि पर अपराध दर्ज करके दोनों को गिरफ्तार कर लिया है.

कल्याण का TDR मुंबई में होगा इस्तेमाल

■ एमएमआर का लक्ष्य 2030 तक मलिन बस्तियों को मुक्त बनाना

कल्याण. मुंबई महानगर क्षेत्र को 2030 तक झुग्गियों से मुक्त बनाने के लिए एमएमएर क्षेत्र की सभी शासकीय भूखंडों पर स्थित झुग्गी क्षेत्र का क्लस्टर तैयार कर झोपड़पट्टी पुनर्वसन क्षेत्र घोषित करने का प्रस्ताव है. वर्तमान में एमएमआर क्षेत्र की महानगर पालिकाओं, नगर पालिकाओं और ग्राम पंचायतों में उत्पन्न टीडीआर को केवल उसी महानगर पालिका, नगर पालिका में उपयोग करने के बजाय पूरे एमएमआर क्षेत्र में उपयोग करने की अनुमति देने का प्रस्ताव है।

डेवलपर्स, आर्किटेक्ट्स का मानना है कि यदि अविकसित क्षेत्रों के टीडीआर को विकसित क्षेत्रों में उपयोग करने की अनुमति दी जाती है, तो स्लम पुनर्विकास को प्रोत्साहित किया जाएगा। डेवलपर्स को टीडीआर खरीदते समय कम से कम 20 प्रतिशत स्लम टीडीआर खरीदने के लिए बाध्य करने का प्रस्ताव विचाराधीन है। मुख्यमंत्री शिंदे ने मित्र एसोसिएशन से मुंबई महानगर में विकास को बढ़ावा देने के लिए एक कार्यशाला आयोजित करने को कहा है। इसका प्रस्तुतीकरण 12 से 15 सितम्बर तक मुख्यमंत्री की उपस्थिति में किया जायेगा।

पुनर्विकास में तेजी आएगी...

- सूत्रों ने कहा कि एमएमआर क्षेत्र में झुग्गियों का क्लस्टर करने और क्षेत्र को झुग्गी पुनर्वास क्षेत्र 3 (सी) के रूप में घोषित करने से झुग्गी पुनर्विकास में तेजी आएगी। एमएमआर क्षेत्र में आठ महानगर पालिकाएं, आठ नगर पालिकाएं, एक ग्राम पंचायत हैं। स्लम टीडीआर का उपयोग उसी नगरपालिका क्षेत्र में करने की अनुमति है, जिसमें स्लम टीडीआर बनाया गया है।
- मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई की तुलना में अंबरनाथ, कल्याण, पनवेल में जमीन की दरें कम हैं। वहां उत्पन्न टीडीआर का उपयोग वहां नहीं किया जाता है। अतः पनवेल का एक हजार वर्गफुट टीडीआर ठाणे में उपयोग करने की अनुमति दी जाती है, तो शायद टीडीआर दरों में अंतर के कारण 150 से 200 वर्ग फुट होगा; लेकिन कम से कम उसका इस्तेमाल तो हो जाएगा.

■ एसआरए कार्यालय में समीक्षा

सभी के लिए आवास और 2030 तक मुंबई महानगर क्षेत्र को झुग्गी-झोपड़ी मुक्त बनाने की योजना मुख्यमंत्री शिंदे को सौंपी जाएगी। ठाणे में एसआरए कार्यालय में वर्तमान परियोजनाओं और भविष्य की परियोजनाओं की समीक्षा की गई। मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर्स की मौजूदगी में प्रेजेंटेशन दिया गया। 'झोपू' योजना अब कल्याण, मीरा-भाईंदर, अंबरनाथ और बदलापुर शहरों में भी लागू की जा रही है।

आरकेटी कॉलेज को प्रशिक्षण केंद्र की मान्यता

उल्हासनगर। महाराष्ट्र सरकार की ओर से कौशल्य विकास योजना के अंतर्गत सोलर पैनल, इंस्टालेशन, टेक्निशियन, वेब डेव्हलपर एवं सायबर सिक्युरिटी व अन्य रोजगाराभिमुख कौशल आधारित अभ्यासक्रम उपलब्ध कराने के लिए उल्हासनगर के आरकेटी महाविद्यालय को प्रशिक्षण केंद्र की मान्यता दी गई है. उक्त जानकारी डॉ. प्राजक्ता शित्रे ने दी है.

महाराष्ट्र सरकार के कौशल रोजगार, उद्यमिता और नवाचार विभाग की ओर से, उल्हासनगर के आरकेटी कॉलेज ने कुछ क्षेत्रों में कौशल आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए एक प्रशिक्षण केंद्र को मंजूरी दी है और इस आचार्य चाणक्य कौशल विकास केंद्र का उद्घाटन समारोह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सितंबर को ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से 20 तारीख को आयोजित किया जाएगा।

रास्ते बनाने का श्रेय लेने में आगे नेता गड्ढों की जिम्मेदारी से भागे

■ गड्ढेमय रास्तों पर नेताओं के हंसते बैनर

उल्हासनगर. गणेशोत्सव का समापन होने के बावजूद उल्हासनगर की सड़कों पर गड्ढे भरने का काम अभी तक पूरा नहीं हो सका है. शहर की अंदरूनी सड़कों से लेकर राजमार्गों तक गड्ढों ने ट्रैफिक जाम का संकट पैदा कर दिया है, जिससे वाहन चालकों और नागरिकों का गुस्सा भड़क गया है। गणेशोत्सव के दौरान 'बैनरों पर शहर के गड्ढों समेत मुस्कुराते राजनीतिक चेहरों' ने जन प्रतिनिधियों और अधिकारियों की दक्षता पर सवाल उठाया गया है।

उल्हासनगर शहर भर में गणेशोत्सव की शुभकामनाओं के बैनर लगाकर जन प्रतिनिधियों ने अपनी उपस्थिति दर्शाई, लेकिन सड़कों पर बने गड्ढों को उन्होंने पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया। उल्हासनगर शहर की कई प्रमुख सड़कें मानसून के दौरान पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं। बारिश के पानी और गड्ढों के कारण ट्रैफिक जाम इस शहर में एक नियमित तस्वीर बन गई है। जिससे दुर्घटनाओं की आशंका और यातायात समस्याएं बढ़ गई हैं।

शहर में कुछ कंक्रीट सड़कों का काम चल रहा है, लेकिन दोनों सड़कों को जोड़ने वाले इलाकों में गड्ढे बने हुए हैं। ठेकेदारों द्वारा काम बीच में ही छोड़ दिये जाने के कारण शहर के कई चौक-चौराहों पर गड्ढों ने अपना साम्राज्य कायम कर लिया है. नतीजतन, वाहनों की गति धीमी हो जाती है, जिससे ट्रैफिक जाम हो जाता है।

इस साल लोकसभा चुनाव से पहले महानगर पालिका ने शहर में कुछ सड़क निर्माण कार्य कराए थे। हालाँकि, चूंकि यह अभी भी अधूरा है, इसलिए नागरिकों को उम्मीद थी कि गणेशोत्सव से पहले ही सड़कों की मरम्मत हो जाएगी, लेकिन इस साल भी भगवान गणेश के विसर्जन के बाद भी शहर में गड्ढों का साम्राज्य जस का तस है.

शहर की प्रमुख सड़कों पर गड्ढों की दुर्दशा को देखते हुए कई नागरिकों ने गड्ढों को पाटने में जन प्रतिनिधियों की निष्क्रियता पर नाराजगी व्यक्त की है। कुछ नागरिकों ने इस मुद्दे को सोशल मीडिया पर उठाया है और उन्होंने एक बयान देते हुए कहा है, 'जनप्रतिनिधियों को गड्ढों के बीच गाड़ी चलाते समय बैनरों पर मुस्कुराते हुए देखना क्रोधित करने वाला है।'

गरम तेल में धक्का देने से एक व्यक्ति घायल

उल्हासनगर. कैंप नंबर 1, तेजुमल चक्की इलाके में गणेशोत्सव के दौरान भंडारे का आयोजन किया गया था, जहां गर्म तेल की कड़ाही में एक युवक गिरकर घायल हो गया. पुलिस ने इस मामले में शीनू पांडे के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. उल्हासनगर कैंप नंबर 1 के तेजुमल चक्की क्षेत्र में हनुमान सेवा संस्था के गणेश मंडल ने भंडारे का आयोजन किया। अभिषेक तेजबहादुर सिंह खाना बनाने में मदद कर रहे थे. पांडे ने अभिषेक को धक्का दिया तो वह गर्म तेल की कड़ाही में गिर गया. उनका एक हाथ तेल से जल गया है.

चाकू से वार

उल्हासनगर. जीतू जयसवाल की नेवाली नाका पर दुकान है। जफर बहादुर सिंह दुकान के पास से गुजर रहे थे। उस समय जयसवाल ने दुकान पर काम करने के लिए आने को कहा. इनकार करने पर नाराज होकर जयसवाल ने जफर सिंह की पिटाई कर दी. गुस्से में चाकू से भी वार कर दिया.

लोक अदालत में सुनवाई के लिए लंबित एवं दाखिल पूर्व मामले भी रखें -न्या. सूर्यवंशी

■ राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 28 को

ठाणे. प्रमुख जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीनिवास ब्रि. अग्रवाल की अध्यक्षता में शनिवार 28 सितम्बर 2024 को 'राष्ट्रीय लोक अदालत' का आयोजन किया गया है। लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित प्रकरणों एवं पूर्व से दायर प्रकरणों को सुनवाई हेतु रखा जा सकता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव न्याय ने संबंधितों से अपील की है कि वे अपने प्रकरणों को 28 सितम्बर 2024 को आयोजित लोक अदालत में रखकर अपने प्रकरणों का निराकरण करायें। ऐसा आह्वान न्या. ईश्वर सूर्यवंशी द्वारा किया गया है.

न्या. सूर्यवंशी ने कहा कि लोक अदालत के फैसले के खिलाफ कोई अपील नहीं होती है. एक ही फैसले में मुकदमेबाजी से स्थायी राहत मिल जाती है. गवाही, जिरह जैसे मामलों में लंबी बहस से बचा जाता है। परिणाम तत्काल हैं. चूंकि लोक अदालत में फैसला आपसी समझ से होता है, इसलिए किसी की जीत या हार नहीं होती। लोक अदालत के फैसले से दोनों पक्षों को संतुष्टि मिलती है, फैसला आपसी सहमति से होने के कारण एक-दूसरे के बीच नफरत और कड़वाहट नहीं बढ़ती है।

अपने लंबित एवं विचाराधीन मामलों को लोक अदालत में सुनवाई के लिए रखने के लिए संबंधित न्यायालय में तालुका विधिक सेवा समिति या जिला विधिक सेवा समिति प्राधिकरण के कार्यालयों से संपर्क करें और उनसे लोक अदालत में भाग लेने और अपने विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटाने का अनुरोध करें। ऐसा आह्वान न्या. ईश्वर सूर्यवंशी द्वारा किया गया है.

प्रवेश से पहले रखे जा सकते हैं ये मामले...

अनादरण मामले, बैंक ऋण वसूली मामले, श्रम विवाद, कर वसूली मामले, बिजली और पानी बिल मामले और अन्य समझौता योग्य मामले, वैवाहिक और अन्य नागरिक विवाद.

कोर्ट में लंबित मामले

आपस में निबटाने योग्य आपराधिक मामले, मोटर दुर्घटना मुआवजा मामले, वैवाहिक विवाद, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण मामले, बिजली और पानी के बिल, सेवा वेतन, भत्ते और सेवानिवृत्ति लाभ के मामले, राजस्व मामले, किराया जैसे अन्य नागरिक मामले, अदालतों में लंबित मामले जैसे अधिभोग अधिकार, निषेधाज्ञा के दावे, कुछ प्री-बॉन्ड समझौतों की पूर्ति से संबंधित विवाद आदि को लोक अदालत में रखा जा सकता है।

कल्याण-डोंबिवली में वाहन चोरी की घटनाएं बढ़ीं

कल्याण. पिछले कुछ दिनों से कल्याण, डोंबिवली के विभिन्न हिस्सों में सार्वजनिक सड़कों, इमारतों के पार्किंग स्थल पर खड़े दोपहिया वाहनों की चोरी की घटनाएं बढ़ गई हैं। इन वाहन चोरियों से वाहन मालिकों में भय का माहौल है. चोरों ने दुकान के सामने खड़ी खरीदारी करने आए लोगों की बाइक भी चोरी कर ली।

डोंबिवली पश्चिम के शास्त्री नगर इलाके के निवासी अभिषेक भंडारे की बाइक उनके आवास के भूतल पर पार्किंग स्थल से चोरी हो गई है। कल्याण के आधारवाड़ी इलाके में रहने वाले किराना दुकानदार हरीश चौधरी का दोपहिया वाहन पंद्रह दिन पहले गुरुदेव ग्रांड होटल के पास सड़क से चोरी हो गया था. कल्याण के पास सापर्डे गांव में रहने वाले सब्जी विक्रेता जनार्दन माधवी ने नकली चाबी का उपयोग करके कल्याण पश्चिम रेलवे स्टेशन के पास गोपाल कृष्ण होटल के सामने सड़क से अपना दोपहिया वाहन चुरा लिया है। कल्याण के एक फोटोग्राफर मुर्तजा चंपाली ने गजानन हाई स्कूल के सामने सड़क पर अपनी बाइक खड़ी की। जब वे अपना काम पूरा कर मौके पर लौटे तो उन्हें बाइक गायब मिली। उन्होंने आसपास तलाश की लेकिन बाइक नहीं मिली। वाहन चोरी के इस मामले में शिकायतकर्ताओं ने विष्णुनगर, महात्मा फुले पुलिस स्टेशन, मार्केट प्लेस और खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है.

व्यापारियों का कहना है कि बदमाश चोर डोंबिवली, कल्याण के बाजारों में नजर रख रहे हैं और इन दोपहिया वाहनों को चुरा रहे हैं। बांग्लादेश में आगजनी के बाद कई भिखारी, बांग्लादेशी शहर के आसपास खाली पड़ी जगहों पर रहने आ गए हैं। शिकायतकर्ताओं को संदेह है कि ये चोर शहरी क्षेत्र में अवैध चालियों में रह रहे हैं।

दो तड़ीपार भेजे गए जेल

उल्हासनगर. कैंप नंबर 2, आजादनगर से नूर आलम शमशाद अंसारी और सुमित रामनाथ यादव के खिलाफ तड़ीपारी की कार्रवाई की गई थी. तड़ीपारी आदेश का उल्लंघन करने के आरोप में पुलिस ने दोनों गैंगस्टरों को आजादनगर के निज़ाम बिल्डिंग से गिरफ्तार किया गया.

उल्हासनगर आजादनगर के रहने वाले नूर आलम शमशाद अंसारी और सुमित रामनाथ जाधव को पुलिस परिमंडल-4 ने बृहन्मुंबई, मुंबई उपनगर, ठाणे और पनवेल और रायगढ़ जिले के कर्जत तालुका से तड़ीपार किया था. अंसारी और सुमित यादव को तड़ीपारी आदेश का उल्लंघन करने के आरोप में उल्हासनगर पुलिस ने गिरफ्तार किया। उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है.

अंबरनाथ विधायक की पत्नी ने मोदक 2 लाख 22 हजार में लिया

चौथी बार भी किणीकर विधायक होंगे - शिल्पा किणीकर

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ बुवापाड़ा में खाटू श्याम सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल द्वारा बाप्पा के समक्ष रखा गया एक बड़ा मोदक 2 लाख 22 हजार रुपयों में नीलाम हुआ है और ये मोदक विधायक डॉ. बालाजी किणीकर की धर्मपत्नी शिल्पा किणीकर और पुत्र श्रवण ने बोली लगाकर ली. इस मौके पर सैकड़ों भक्त उपस्थित थे. मंडल के अध्यक्ष प्रमोद कुमार चौबे के हाथों मोदक उन्हें दिया गया. उस समय मंडल के पदाधिकारी एवं भाजपा महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्षा कंचन मिश्रा, किरण चौबे आदि बतौर अतिथि उपस्थित थे.

मोदक प्राप्त करने के बाद शिल्पा किणीकर ने कहा हमको इस वर्ष मोदक मिला है. हमारे घर में खुशिया ही खुसियां बिखरने वाली हैं. दो महिने बाद विधानसभा के चुनाव हैं. बाप्पा के आशीर्वाद से चौथी बार भी बालाजी किणीकर विजयी होंगे और विधायक बनेंगे.

मंडल अध्यक्ष प्रमोद कुमार चौबे ने बताया कि मंडल गत 32 वर्षों से संघटन चौक बुवा पाड़ा में गणेशोत्सव मना रहा है. गत 15 वर्षों से गणेश की मूर्ति के समक्ष रखा हुआ मोदक नीलाम किया जाता है. जिसने भी नीलामी में ये मोदक अपने घर में लेकर गया है, उसके घर की हर मुसीबत दूर होकर उन्हें खुशियां ही मिली हैं. इस मोदक के बारे में भक्तों की अपार श्रद्धा है और उनकी हर मन्नत पूरी हुई है और किणीकर चौथी बार विधायक बनेंगे. मोदक नीलामी के समय रमेश यादव, नथुनी झा, सच्चिदानंद राय, कमलाकांत राय, राजेश पाठक, शैलेष आदि उपस्थित थे.

श्री साईबाबा संस्थान शिर्डी द्वारा वर्षों पुराने कर्मचारियों की हकालपट्टी

शिर्डी। एक तरफ जहां राज्य सरकार ने साईबाबा संस्थान के 598 ठेका कर्मचारियों को स्थायी सेवा में शामिल करने का निर्णय लिया है. वहीं सूत्रों के हवाले से खबर मिली है कि श्री साईबाबा संस्थान विश्वस्त व्यवस्था (शिर्डी) द्वारा वर्षों पुराने कर्मचारियों की हकालपट्टी की गई है। ऐसी भी जानकारी मिली है कि जो 20 वर्षों से शिर्डी संस्थान में काम कर ठेका कर्मचारी जो सुशिक्षित नहीं हैं, ऐसे करीब 100 कर्मचारियों की हकालपट्टी की गई है। सूत्रों ने बताया है कि ऐसे कर्मचारियों को संस्थान ने नोटीस भी दिया है। उन कर्मचारियों को वापस लेने की मांग की गई है। हाल ही में संस्थान द्वारा नए कर्मचारियों की भर्ती की गई है। ऐसे चौथी फेल कर्मचारियों को संस्थान द्वारा नोटीस दिया गया है। इंसाफ के लिए लड़ रहे उन कर्मचारियों ने अब न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की योजना बनाई है।

वहीं दूसरी तरफ सभी ठेका कर्मचारियों को राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया. 2000 तक के 1052 कर्मचारी 2004 में स्थायी हो गये। करीब 20 साल बाद सरकार ने 598 कर्मचारियों को स्थायी आधार पर नौकरी पर रखने का फैसला किया. 598 कर्मचारियों के साथ-साथ 2023 तक 10 साल की सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों को भी स्थायी रूप से शामिल किया जाएगा।

भारी वाहनों के कारण ठाणे-नासिक हाइवे जाम

ठाणे. एक ओर जहां ठाणेकर ट्रैफिक जाम से जूझ रहे हैं, वहीं पुलिस की लापरवाही के कारण भारी वाहनों का असमय आवागमन एक बार फिर शुरू हो गया है। ऐसा देखा गया है कि घोड़बंदर रोड पर भारी वाहन चालक तेज गति से वाहन चलाते हैं। ऐसे में नागरिक सवाल पूछ रहे हैं कि इन भारी वाहनों के आवागमन पर कब अंकुश लगेगा. ठाणे से बदलापुर और भिवंडी शहर ठाणे पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में आते हैं। मुंबई नासिक हाईवे, घोड़बंदर, ईस्ट एक्सप्रेसवे जैसे महत्वपूर्ण मार्ग इस क्षेत्र से होकर गुजरते हैं।

भिवंडी शहर में बड़ी संख्या में गोदाम हैं। इसलिए, गुजरात के उरण में जेएनपीटी बंदरगाह से भिवंडी और नासिक क्षेत्रों तक भारी वाहनों को ठाणे, भिवंडी शहर के माध्यम से ले जाया जाता है। भारी वाहन सीधे घोड़बंदर से होकर शहर में प्रवेश करते हैं। ठाणेकर भारी ट्रैफिक की समस्या से परेशान हैं. पिछले कुछ महीनों से ठाणे शहर में भारी वाहन ट्रैफिक जाम का कारण बन रहे हैं।

ठाणे आयुक्तालय क्षेत्र में दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे और रात 11 बजे से सुबह 5 बजे के बीच भारी वाहनों की अनुमति है। इस समय के अलावा अन्य समय में भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित है। इसके बावजूद यह बात सामने आई है कि ठाणे शहर में इन नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है. सुबह के समय कर्मचारियों के वाहन शहर से निकलते हैं। वहीं, भारी वाहनों का भी बिना किसी परेशानी के प्रवेश शुरू हो गया है। इसका असर घोड़बंदर के साथ-साथ अन्य महत्वपूर्ण मार्गों पर भी पड़ने लगा है. कुछ भारी वाहन चालक तेज गति से वाहन चलाते हैं। ऐसे में भारी वाहनों के खतरनाक आवागमन का खामियाजा अन्य हल्के वाहन चालकों को भुगतना पड़ता है। बुधवार को भी शहर में असमय भारी वाहनों का आवागमन देखने को मिला. इन वाहनों की वजह से घोड़बंदर, मुंबई हाईवे पर वाहनों का बोझ बढ़ने से ट्रैफिक जाम की तस्वीर बन रही है.

बुवापाड़ा में 3 खस्ता हाल घरों का नवनिर्माण करके देंगे - वालेकर

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम बुवापाड़ा में 3 गरीबों के खस्ता हाल घरों को पूर्व उप नगराध्यक्ष राजेंद्र वालेकर नए तरीके से निर्माण करके देंगे. इन तीनों पुराने खस्ता हाल घरों के समक्ष मंगलवार को भूमिपूजन हुआ. उस समय यहां के निवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे. इन तीनों घरों में दो हिंदू एवं एक मुस्लिम समाज का घर है. वालेकर ने बताया कि इससे पूर्व भी उन्होंने ऐसे कई घर को ध्वस्त करके उन्हें नया बनाकर दिया है. तीनों घरों की महिलाओं ने वालेकर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ये उनके घर 1972 से यहां पर हैं. घरों का छत टूटा हुआ है. शौचालय, किचन, स्नान गृह नहीं है, जमीन टूटी हुई है. ऐसे घरों में ये गरीब परिवार रहते हैं. यहां पर गौसिया मस्जिद के पास ईद-मिलाद के लिए बनाए गए मंडप में वालेकर का सत्कार किया गया. उन्होंने भी उपस्थितों को ईद-ए-मिलाद की बधाई देते हुए कहा कि वह किसी भी तरह का भेदभाव नहीं करते हुए गरीबों की सहायता करते रहते हैं. उन्होंने ये भी कहा कि शिवसेना का नारा है 80% समाजकारण और 20% राजकारण लेकिन वह समाज में रहकर 100% समाजकारण करना चाहते हैं. उस समय संभाजी कलमकर, आसिफ पठान, जम्सू सय्यद व स्थानीय नेता उपस्थित थे.

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

मनमानी के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट सख्त

किसी गैरकानूनी गतिविधि या अपराध का आरोप झेल रहे व्यक्ति के घर या अन्य निर्माण को बुलडोजर से ध्वस्त करने पर लगातार सवाल उठ रहे थे। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर कथित 'बुलडोजर न्याय' के मसले पर जो राय जाहिर की है, वह राज्य सरकारों और संबंधित महकमों के लिए विचार करने का विषय है। यह बड़ी विडंबना है कि अगर कोई व्यक्ति किसी अपराध के आरोप में पकड़ा जाता है, तो उसके खिलाफ कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई करने के बजाय अन्य कारणों का हवाला देकर उसका घर ढहा दिया जाए। ऐसे ही एक मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक अक्तूबर तक के लिए देश भर में बुलडोजर से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर रोक लगा दी और कहा कि बिना उसकी अनुमति के एक भी निर्माण न ढहाया जाए। हालांकि यह आदेश सार्वजनिक सड़क, फुटपाथ और किसी अनधिकृत निर्माण पर लागू नहीं होगा।(दरअसल, पिछले कुछ समय से कुछ राज्यों में किसी व्यक्ति पर महज आरोप लगने के बाद उसके घर को बुलडोजर से ध्वस्त करना एक जरूरी कार्रवाई मान ली गई थी। जबकि ऐसी कार्रवाई को मनमाने तौर-तरीके और उसके महिमामंडन के रूप में देखा जा रहा था। इसी के मद्देनजर शीर्ष अदालत ने बुलडोजर कार्रवाई का महिमामंडन बंद करने को कहा। हालांकि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से महाधिवक्ता का कहना था कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई कानूनी प्रक्रिया के तहत की गई। गौरतलब है कि बुलडोजर चलाने के एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में कहा था कि एक व्यक्ति के सिर्फ आरोपी या यहां तक कि दोषी होने के बावजूद इस वजह से उसका घर नहीं गिराया जा सकता है। एक लोकतांत्रिक और कानून के शासन वाले देश में किसी एक शख्स की गलती की सजा उसके परिजनों को उसके घर को ध्वस्त करके नहीं दी जा सकती। ऐसी कार्रवाई कानून के शासन पर ही बुलडोजर चलाने जैसा होगा। संभव है कि किसी घर को अवैध निर्माण होने या अन्य तकनीकी आधार पर ध्वस्त किया गया हो, लेकिन अगर ऐसी कार्रवाई की तात्कालिक वजह आपराधिक कृत्य में आरोपी होना प्रतीत हो रही हो, तो उसे कैसे देखा जाएगा!

सेबी को सवालों के कठघरे से बाहर आना ही होगा

बात 1988 की है। भारत में श्वेत-क्रांति के सूत्रधार वर्गीज कुरियन भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि थे। समारोह में कुरियन ने मैनेजमेंट स्कूलों को शैंपू बेचने वालों का ट्रेनिंग स्कूल बताया और छात्रों से कहा कि उन्हें समाज के भले के लिए सच्चाई व सेवा का जीवन जीना चाहिए। उस साल वहां से निकलने वाले विद्यार्थियों में माधवी पुरी बुच भी शामिल थीं, जो इस वक्त सेबी की अध्यक्ष हैं। कहना मुश्किल है कि यह इस भाषण का असर था, मगर माधवी उस बैच की इकलौती ऐसी लड़की थीं, जिन्होंने खुद को प्लेसमेंट से अलग कर लिया। सबसे पहले वह एक एनजीओ के साथ बतौर सामाजिक कार्यकर्ता जुड़ीं। फिर, उन्होंने तरह-तरह के काम किए, पढ़ाया भी और आईसीआईसीआई बैंक से होते हुए आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की प्रमुख बनीं। इसके बाद 2017 में माधवी सेबी बोर्ड की सदस्य बनीं और 2022 में उन्हें इसका अध्यक्ष बनाया गया। इस पद पर पहुंचने वाली वह पहली महिला हैं।

मगर अब वह विवादों में हैं। जब पिछले साल उन पर आरोप लगने शुरू हुए, तब वे मामूली लग रहे थे, लेकिन अब बात बढ़ती ही जा रही है। बात शुरू हुई थी पिछले साल जनवरी में हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से, जिसने भारत के शेयर बाजार को हिलाकर रख दिया था। विपक्षी पार्टियों ने संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को जांच सौंपने की मांग की और सुप्रीम कोर्ट के सामने कई अलग-अलग अर्जियां लगाई गईं। कोर्ट ने आखिरकार फैसला सुनाया कि इस तरह की किसी एजेंसी की रिपोर्ट पर वह जांच का आदेश नहीं दे सकता। हालांकि, साथ में उसने सेबी से कुछ सवालों के जवाब भी मांगे और यह भी कहा कि सेबी की जांच से अदालत संतुष्ट है। तब ऐसा लगा कि बात खत्म हो गई है, पर यह फाइल यहीं बंद होने वाली नहीं थी।

सबसे पहले सेबी पर जवाबी हमला करते हुए हिंडनबर्ग ने यह मान लिया कि उदय कोटक का बैंक शॉर्ट सेलिंग में उसका मददगार था। उसके बाद उसने सेबी और सेबी प्रमुख पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। पहला इल्जाम था कि माधवी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच ने ऐसी जगह पैसे लगाए थे, जो घूमकर अडानी समूह की कंपनियों में पहुंचे। इस पर बुच दंपति ने बाकायदा सफाई भी जारी की। मगर उसके बाद तो एक के बाद दूसरे आरोप आते ही जा रहे हैं। अब यह इल्जाम लगा है कि सेबी से जुड़ने के बाद भी उनको कई कंपनियों से मेहनताना या फीस मिली है। हालांकि, जिन कंपनियों का नाम इस मामले में आया, वे सब सफाई दे चुकी हैं कि उन्होंने कोई गैर-कानूनी भुगतान नहीं किया है। ध्यान रहे, सेबी में रहते हुए माधवी पुरी बुच ने कई कडे.फैसले भी किए हैं। शायद यही वजह है कि न सिर्फ बाहर से, बल्कि सेबी के भीतर से भी उन पर सवाल उठ रहे हैं।

सवाल सेबी प्रमुख की चुप्पी पर भी उठ रहे हैं और इस बात पर भी कि क्या इतने आरोपों के बाद भी वह पद पर बनी रहेंगी? सरकार इस मामले में क्या कर सकती है, यह भी एक पेचीदा सवाल है। बात और पेचीदा हो जाती है, क्योंकि निजी क्षेत्र से विशेषज्ञों को लाकर राजकाज में जोड़ने का भी यह एक उदाहरण है। अगर मामला पटरी से उतर गया, तो फिर इस तरह के लोगों को सरकार के साथ लाना टेढ़ी खीर साबित होगी। फिर, सेबी कोई ऐसी संस्था भी नहीं है, जिसे हल्के में लिया जा सके। शेयर बाजार लगातार कुलांचे भरता दिख रहा है। ऐसे में, जरूरी है कि बाजार पर, उसके नियम-कायदों पर और उसके निगहबानों, यानी रेगुलेटरों पर जनता का भरोसा बना रहे। वर्गीज कुरियन ने अपने उस संबोधन में जो तीन चीजें कही थीं, उनमें सत्यनिष्ठा या ईमानदारी भी एक थी। इस वक्त शायद वही सबसे ज्यादा सवालों के घेरे में है।

संसद की लोकलेखा समिति तमाम आरोपों पर विचार कर रही है। हो सकता है, वह सेबी प्रमुख से पूछताछ भी करे। मगर इस किस्से में सच क्या है और वह कितना सामने आ पाएगा, कहना मुश्किल है। सवाल सिर्फ माधवी पुरी बुच का नहीं है। सवाल सेबी पर, भारत के बाजार पर और भारत की पूरी वित्तीय प्रणाली पर है। ऐसे में, सवाल के साथ-साथ सवाल पूछने वालों की पड़ताल भी जरूरी हो जाती है। माधवी पुरी बुच और सेबी ही नहीं, यह शायद भारतीय व्यवस्था के लिए भी अग्नि-परीक्षा का वक्त है।

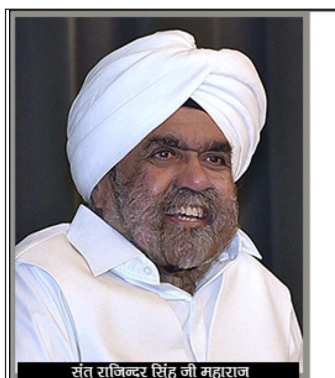
संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

ध्यानाभ्यास के द्वारा हम शांति प्राप्त कर सकते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

विपक्ष कर रहा जाति आधारित जनगणना की मांग

देश में जनगणना लंबे समय से लंबित है। सरकार अब इसकी योजना बना रही है। विपक्षी दलों ने जाति के आधार पर जनगणना कराने की मांग उठाई है। धीरे-धीरे यह बड़ा मुद्दा बन गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी इसकी आवश्यकता जताई है। सरकार ने संकेत दिया है कि इस मुद्दे पर काम हो रहा है। वर्ष 2011 में जनगणना कराई गई थी। तब से अब तक उसी समय के आंकड़ों से ही काम चलाने की मजबूरी है। हालांकि, उन आंकड़ों को सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना के पलड़े में अप्रभावी, अधूरी और खराब प्रकृति का माना गया।

नगणना के आंकड़ें संवेदनशील माने जाते हैं और इनका व्यापक असर होता है। खाद्य सुरक्षा, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम और निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन जैसी कई योजनाएं इनपर निर्भर होती हैं। आंकड़ों का उपयोग सरकारों के साथ उद्योग जगत और शोध संस्थाएं भी करती हैं। बदलते समय के साथ देश के सामने नई चुनौतियां हैं, जिन्हें लेकर नीति निर्धारण की जरूरत है।ऐसे में जरूरी है कि जनगणना को लेकर सरकार महापंजीयक और अन्य एजेंसियों के लिए नए मानक दिशानिर्देश तैयार करे।

जून 2024 तक 233 देशों में से भारत उन 44 देशों में से एक था जिन्होंने इस दशक में जनगणना नहीं की थी। सरकार का कहना है कि कोरोना महामारी के कारण यह कवायद नहीं की गई। हालांकि, 143 अन्य देशों ने इस काल में ही मार्च 2020 के बाद जनगणना की। संघर्ष, आर्थिक संकट एवं उथल-पुथल से प्रभावित यमन, सीरिया, अफगानिस्तान, म्यांमा, यूक्रेन, श्रीलंका और उप-सहारा अफ्रीका जैसे देशों ने जनगणना नहीं कराई।

भारत में इस कवायद में देरी को लेकर सवाल उठे। यह तथ्य है कि वर्ष 1881 से 2011 तक बिना किसी बाधा के भारत में जनगणना कराई गई। सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना (एसईसीसी) पहली बार वर्ष 1931 में कराई गई थी। इसका उद्देश्य अभाव के संकेतकों की पहचान करने के लिए ग्रामीण और शहरी- दोनों क्षेत्रों में भारतीय परिवारों की आर्थिक स्थिति के बारे में सूचनाएं जमा करना था। एसईसीसी में संग्रहित जानकारी सरकार द्वारा परिवारों को लाभ देने या लाभ से वंचित करने में फैसले के लिए आधार बनती है।

बहरहाल, जाति आधारित जनगणना के मुद्दे पर बहस जारी है। देश के कई हिस्सों में अभी भी जाति-आधारित भेदभाव है। ऐसे में विभिन्न जाति समूहों के वितरण को समझकर, सामाजिक असमानता को दूर करने और हाशिये पर रह रहे समुदायों के लिए लक्षित नीतियां बनाई जा सकती हैं। इसके विरोध में यह तर्क दिया जा रहा है कि जाति-आधारित भेदभाव बढ़ सकता है, जाति व्यवस्था के सबल होने की आशंका है। इसे रोकने के लिए जातिगत पहचान की जगह सभी नागरिकों के लिए व्यक्तिगत अधिकारों और समान अवसरों पर ध्यान केंद्रित करने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

भारत में जातियों को परिभाषित करना जटिल मुद्दा है, क्योंकि यहां हजारों जातियां और उपजातियां हैं। जरूरी यह है कि मुद्दों में न उलझते हुए नीति निर्धारण पर ध्यान दिया जाए। निश्चित समय सीमा तय की जाए। जनगणना एक लंबी और जटिल प्रक्रिया है। पहले ही काफी देर हो चुकी है। अब और देर उचित नहीं।

कितनी ऊंचाई तक उड़ सकता है हवाई जहाज?

एक समय था, जब हवाई जहाज में बैठकर सफर करना एक लग्ज़री मानी जाती थी और ये हर किसी के बस की बात नहीं होती थी. हालांकि वक्त बदला और अब लोगों की कमाने की क्षमता बढ़ने के साथ-साथ खर्च करने के तरीके भी बदले हैं. लोग ट्रेन के साथ-साथ हवाई सफर भी करने लगे हैं. अब उन्हें इसके बारे में जानकारी भी ज्यादा होती है लेकिन कुछ सवाल ऐसे हैं, जिस पर हमारा ध्यान यूं नहीं जाता.

आजकल लोगों के पास समय की कमी है, ऐसे में वे वक्त बचाने के लिए ट्रेन से

जरा हट के

ज्यादा हवाई जहाज से सफर करने को प्राथमिकता देते हैं. प्लेन में बैठे हुए आप जब बादलों के ऊपर उड़ रहे होंगे, तो कभी न कभी ये ख्याल आया होगा है कि ये प्लेन कितनी ऊंचाई तक उड़ सकता है? चलिए इसका जवाब आज जानते हैं.

वैसे तो हवाई जहाज की उड़ान काफी कुछ इस बात पर निर्भर करती है कि एयरक्राफ्ट कौन सा है. एक पैसेंजर एयरक्राफ्ट आमतौर पर 10-20 हज़ार फीट नहीं बल्कि 30-35 हज़ार फीट की ऊंचाई पर उड़ता है. aviex.goflexair.com के मुताबिक बोइंग से लेकर एयरबस के अलग-अलग मॉडल्स के पास सर्विस सीलिंग 41,000 से 43,000 फीट तक की होती है, लेकिन ये हवा में 30,000 से 35,000 फीट तक की ऊंचाई पर उड़ान भरते हैं. वहीं प्राइवेट जेट की बात करें तो ज्यादातर एयरक्राफ्ट की सर्विस सीलिंग 51,000 फीट तक होती है और वे 45,000 फीट तक ऊंचाई पर उड़ान भरते हैं.

एक प्लेन की उड़ान कितनी हो सकती है, ये उसके रूट पर भी निर्भर करता है. शॉर्ट हॉल फ्लाइट्स 25-35,000 फीट की ऊंचाई तक उड़ते हैं जबकि लॉन्ग हॉल वाली फ्लाइट्स 35-40,000 फीट तक उड़ते हैं. इसकी वजह ये है कि विमान जितना ऊंचा उड़ेगा, हवा उतनी पतली होगी और हल्के होने पर विमान का ईंधन कम लगेगा. एविएशन अथॉरिटीज़ हर प्लेन को स्पेसिफिक ऑल्टीट्यूड रेंज के लिए सर्टिफिकेट देते हैं. मिलिट्री एयरक्राफ्ट की बात करें तो ये 50,000 से 70,000 फीट से भी ऊंचा उड़ सकते हैं, जो उनके मिशन पर निर्भर करता है.

महिलाएं क्यों करवाती हैं अपने एग फ्रीज

■ **जानिए इस प्रोसेस में लगता है कितना समय और क्या है खर्च**

आधुनिकता के इस दौर में महिलाएं अब अपने अंडे को सहेज कर रखवा सकती हैं और कुछ सालों के बाद इसी अंडे से कंसीव कर सकते हैं। इस प्रक्रिया को एग फ्रीजिंग कहते हैं। आइए, जानते हैं इसके बारे में।

■ **कम उम्र में महिलाएं क्यों करा रही हैं एग फ्रीज**

आधुनिकता के इस दौर में महिलाएं अपने करियर पर फोकस करना पसंद करती हैं। जब वह अपने गोल्स को अचीव कर लेती हैं तभी शादी और बच्चा प्लान करती हैं। अगर महिला 30 की उम्र के बाद शादी और बेबी प्लान कर रही हैं तो दिक्कते हो सकती हैं। इस समस्या से बचने के लिए महिलाएं पहले ही एग फ्रीज करवाती हैं। जानिए क्या है ये प्रोसेस, किस उम्र में इसे करना चाहिए और क्या होता है खर्च।

■ **क्या है एग फ्रीजिंग**

एग फ्रीजिंग एक नई तकनीक है। जिसमें महिला के एग निकाले जाते हैं, फिर उन्हें फ्रिज किया जाता है। बाद में जब भी महिला अपनी प्रेग्नेंसी प्लान करती हैं तो इन फ्रीज किए अंडों को फर्टिलाइज किया जाता है और यूटर्स में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

■ **किस उम्र में करवाना चाहिए एग फ्रीजिंग**

एग फ्रीज कराने की सबसे अच्छी उम्र 20 से 35 साल के बीच मानी जाती है। इस उम्र में महिलाओं के पास अच्छी मात्रा और क्वालिटी वाले अंडे होते हैं।

■ **क्या है एग फ्रीजिंग प्रोसेस**

एग फ्रीजिंग एक नई तकनीक है। जिसमें महिला के एग निकाले जाते हैं, फिर उन्हें फ्रिज किया जाता है। बाद में जब भी महिला अपनी प्रेग्नेंसी प्लान करती हैं तो इन फ्रीज किए अंडों को फर्टिलाइज किया जाता है और यूटर्स में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

■ **एग फ्रीजिंग में कितना होता है खर्च**

भारत में एग फ्रीजिंग का खर्चा अलग-अलग कारकों पर डिपेंड करता है। जिसमें क्लिनिक, डॉक्टर और इस्तेमाल किया जाने वाला प्रोसेस शामिल है। हालांकि, भारत में एग फ्रीजिंग की लागत औसतन 50,000 से 2,50,000 रुपये तक हो सकती है।

■ **एग फ्रीजिंग प्रोसेस में लगता है कितना समय**

इस प्रोसेस कि समय सीमा हर किसी के लिए अलग-अलग हो सकती है। हालांकि, एग फ्रीजिंग की पूरी प्रक्रिया को पूरा होने में 2 से 3 हफ्ते का समय लगेगा। ज्यादातर मामलों में 2 हफ्ते से भी कम समय में इस प्रक्रिया को पूरा किया जा सकता है।

■ **कई एक्ट्रेसेस करवा चुकी हैं एक फ्रीज**

बॉलीवुड और टीवी एक्ट्रेसेस भी अपने करियर के चलते शादी देर से प्लान करती हैं। ऐसे में कुछ अदाकाराओं ने एग फ्रीज करवाया है और वह इस बारे में खुलकर बात करती हैं।

स्वीट कॉर्न के पकौड़े

खाना-खज़ाना

स्वीट कॉर्न वाला भुट्टे का स्वाद काफी अच्छा लगता है। इसमें हल्की मिठास होती हैं। इससे भी तरह-तरह की डिशेज तैयार की जाती हैं। यहां हम स्वीट कॉर्न के पकौड़े बनाने का तरीका बता रहे हैं। ये क्रिस्पी पकौड़े चाय के साथ सर्व किए जा सकते हैं। अगर आपके पास स्वीट कॉर्न के दाने हैं तो आप घर में मौजूद सामान से स्वीट कॉर्न के पकौड़े बना पाएंगे। कुछ लोग इन पकौड़ों को पाव में लगाकर खाते हैं। यहां देखिए स्वीट कॉर्न के क्रिस्पी पकौड़े कैसे बनाएं।

सामग्री :

- 2 कप उबले हुए स्वीट कॉर्न के दाने
- एक छोटा कप बारीक कटा प्याज
- आधा कप बेसन
- 2 बड़े चम्मच चावल का आटा
- 2 चुटकी हल्दी पाउडर
- आधा छोटा चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर
- 1 चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट
- एक छोटा चम्मच चाट मसाला
- चुटकी भर हींग

- स्वाद के मुताबिक नमक
- तलने के लिए तेल

कैसे बनाएं पकौड़े

इसे बनाने के लिए सबसे पहले स्वीट कॉर्न के दाने लें और इसे हल्का मिक्सी में पीस लें। फिर इसका पानी निचोड़कर एक बर्तन में निकाल लें। फिर इसमें और प्याज को मिला लें। इसमें बेसन, चावल का आटा, हल्दी, मिर्च पाउडर, चाट मसाला, अदरक लहसुन का पेस्ट, हिंग और नमक डालें। फिर इसे बिना पानी के अच्छी तरह मिलाएं। ये गाढ़ा घोल बनेगा। अब मक्के के पकौड़े के मिक्स से थोड़ा-थोड़ा लें और गर्म तेल में डालें। पकौड़े को कुरकुरा और सुनहरा होने तक तलें। साथ परोसें। इसे तलने में कम से कम 10 से 15 मिनट लगेंगे। इसे आप चटनी या फिर केचअप के साथ खाएं।

सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है खुली हवा में सांस लेना

अगर आप भी ऐसे लोगों में शामिल हैं जो घर से बाहर निकलना कम पसंद करते हैं तो सुबह 10 मिनट खुली हवा में सांस लेने के फायदे जानने के बाद आप ऐसा नहीं कर पाएंगे।

खुली हवा में सांस लेना शायद ही किसी व्यक्ति को पसंद ना हो, लेकिन आजकल सूरज से निकलने वाली यूवी किरणों, टैनिंग, डार्क स्पॉट्स, प्रदूषण और स्किन कैंसर के खतरे को टाले के लिए लोग घर से बाहर निकलना कम पसंद करते हैं। अगर आप भी ऐसे लोगों में शामिल हैं तो सुबह 10 मिनट खुली हवा में सांस लेने के फायदे जानने के बाद आप ऐसा नहीं कर पाएंगे।

जर्नल इंवायरमेंटर पॉल्यूशन रिपोर्ट में प्रकाशित नई शोध रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि स्वच्छ हवा कई बीमारियों से दूर रखकर शरीर की ताकत को बढ़ा देती हैं। इससे उम्र बढ़ जाती है और शरीर जवां बना रहता है। वहीं रोचेस्टर यूनिवर्सिटी के शोध की मानें तो ताजी हवा और प्राकृतिक माहौल शरीर की ऊर्जा को 90 फीसदी बढ़ा देती है।

शरीर में बढ़ाता है ऑक्सीजन का स्तर

फ्रेश हवा में बैठकर सांस लेने से शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है, जिससे ब्रेन फंक्शनिंग में सुधार करके मूड को अच्छा और एनर्जी लेवल को बनाए रखता है।

इम्यून सिस्टम को करता है बूस्ट

फ्रेश हवा में बैठने पर शरीर जब सूरज की रोशनी के संपर्क में आता है तो विटामिन डी बनाने लगता है। बता दें, विटामिन डी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाए रखने के काम आता है। जिससे सेहत से जुड़ी कई बीमारियां और संक्रमण को दूर रखने में मदद मिलती है।

मूड बनाए रखता है अच्छा

ताज़ी हवा में ऑक्सीजन भरपूर मात्रा में मिलती है, जिससे मस्तिष्क में सेरोटोनिन का स्तर बढ़ता है। सेरोटोनिन एक हार्मोन है जो मूड को नियंत्रित करके आपको शांत और तनावमुक्त रखता है।

नींद की गुणवत्ता बढ़ाता है

नियमित रूप से फ्रेश हवा में सांस लेने से शरीर की आंतरिक घड़ी को विनियमित करने में मदद मिलती है, जिससे नींद के पैटर्न में सुधार होता है।

गर्दन में जकड़न महसूस होने लगी है

तो फौरन शुरू कर दें ये 3 मसाज

गर्दन में दर्द और जकड़न महसूस होना दिन पर दिन आम बात होती जा रही है। दरअसल, घंटों मोबाइल, कम्प्यूटर, लैपटॉप पर काम करने से गर्दन की नसों में जकड़न पैदा होने लगती है। अगर इस समस्या को लंबे समय तक अनदेखा किया तो सर्वाइकल की समस्या पैदा होने लगती है। जिसकी वजह से गर्दन से लेकर कंधे और कई बार सिर में दर्द होने लगता है। इस समस्या से निपटने के लिए एक्सरसाइज और मसाज ही मदद करती है।

■ **मसाज 1**

लगातार एक ही पोजीशन में गर्दन रहने की वजह से मसल्स में टेंशन इकट्ठा हो जाती है और दर्द वाली जगह पर गांठ सी महसूस होने लगती है। इसलिए इन गांठ को रिलीज करना जरूरी होता है। जिससे स्टिफनेस दूर हो सके। सबसे पहले अंगूठे की मदद से जिस जगह पर दर्द हो रहा है उस प्वाइंट को हल्के हाथ से प्रेस करें। करीब दस से पंद्रह बार प्रेस करने के बाद छोड़ दें।

■ **मसाज 2**

इसके बाद गर्दन और पीठ की शुरुआत में बीच में बिल्कुल दोनों हाथ के अंगूठे को रखें और हल्का सा दबाव डालते हुए दोनों कंधों की तरफ मसाज करें। इस तरह से मसाज भी करीब दस से बीस बार करें।

■ **मसाज 3**

गर्दन के जिस हिस्से पर दर्द हो रहा है। उस हिस्से पर अंगूठे की मदद से दबाव डालें और फिर धीरे-धीरे दबाते हुए नीचे कंधे तक अगूंठे को ले आएं। ऐसा दस से बीस बार करने से गर्दन में हो रही जकड़न में आराम मिलता है और इस जगह पर बनने वाली गांठें भी खत्म होती है।

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

आज का राशिफल

मेष : लाभ के अवसर टलेंगे। विवाद न करें। कार्य निर्णय बहुत शांति से विचार करके करना ही शुभ है। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें। रुका धन मिलेगा। दुःखद समाचार मिल सकता है। विरोध होगा। व्यर्थ भागदौड़ होगी।परिवार में माता के सेहत की चिंता रहेगी।

वृषभ : सुख के साधन जुटेंगे। प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मनचाही पदोन्नति मिलने के योग बनेंगे। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी। अजनबियों पर विश्वास न करें।

मिथुन : फालतू खर्च होगा। अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। विवाद न करें। आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है। व्यापार में नए अनुबंध होंगे। व्ययों में कमी करना चाहिए। व्यापार अच्छा चलेगा। जीवनसाथी से मतभेद।

कर्क : भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। आपकी मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति आपके जीवन में आनंद का संचार करेगी। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा संभव है। विवाद न करें। रोजगार मिलेगा।

सिंह : संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। रोजगार के क्षेत्र में उन्नति होगी। कुसंगति से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। विवाद न करें। सार्वजनिक कार्यों में समय व्यतीत होगा।

कन्या : वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। लाभ होगा। उत्तम मनोबल आपकी सभी समस्याओं को हल कर देगा। प्रतिष्ठित जनों से मेलजोल बढ़ेगा। व्यापार में नए प्रस्ताव मिलेंगे। राशि फलादेश

तुला : घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें। काम के प्रति दृढ़ता से कार्य में अनुकूल सफलता मिल सकेगी। पारिवारिक सुख व धन बढ़ेगा। वाणी संयम आवश्यक है। नई योजना बनेगी। कार्य का विस्तार होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृश्चिक : धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। समाज के कामों में उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। नौकरी में तबादला तथा पदोन्नति के योग हैं। अनावश्यक क्रोध न करें। धन संबंधी काम पूरे होंगे।

धनु : ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी। जीवनसाथी की भावनाओं को समझें। आर्थिक निवेश लाभकारी रहेगा। पुराना रोग उभर सकता है। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। आय में कमी रहेगी। धैर्य रखें। स्वास्थ्य की समस्या हल होगी।

मकर : जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। परोपकार करके मानसिक सुख अर्जित करेंगे। व्यापारिक स्थिति आशाजनक रहेगी। पारिवारिक, मांगलिक कार्य की योजना बनेगी। कर्ज लेने से बचना चाहिए।

कुंभ : रोजगार मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नवीन गतिविधियां लाभकारी रहेंगी। व्यापार में नई योजनाओं का प्रारंभ होगा। पराक्रम के प्रति निष्क्रियता के कारण मन अप्रसन्न रहेगा। शत्रु परास्त होंगे। भूमि व भवन की खरीद-फरोख्त हो सकती है।

मीन : घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। रोजगार की चिंता रह सकती है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। मानसिक दृढ़ता से निर्णय लेकर कार्य करना चाहिए। व्यापार में लाभकारी परिवर्तन होंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

खबरें गांव की...

भेड़िए के साथ सियार की दहशत, सो रहे बच्चे पर किया हमला, युवक को भी बनाया शिकार

बहराइच. बहराइच में अभी भी भेड़िए की दहशत फैली है। साथ ही अब प्रदेश के कई जिलों में सियार भी लोगों पर हमला बोल रहा है। बाराबंकी जिले के अजमलपट्टी गांव में गुरुवार सुबह सियार ने बिस्तर पर सो रहे एक बच्चे पर हमला बोल दिया। गांव में सुबह ब्रेड बेचने आए युवक को भी सियार ने नहीं छोड़ा। सियार ने उसे भी घायल कर दिया। सूचना पर हरख रेंज के वन विभाग की टीम ने जगंल व खेतों में कांबिंग की। उनके मुताबिक पागल सियार हमला से जख्मी है। अमेठी जनपद के इंहौना थाना क्षेत्र के गांव अकबर फरसते गांव निवासी मरियम पत्नी शफीक पिछले एक महीना से अपने मायके ग्राम अजमल पट्टी में सुबरतन के यहां ही रह रही थी। गुरुवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे वह बेटे मोहम्मद शाहवाज (2) साथ टीनशेड नीचे बरामदे में सो रही थी। इसी दौरान एक जंगली जानवर ने आकर मरियम को नोच लिया।

होटल में महिला के साथ गैंगरेप

आगरा. फिरोजाबाद की एक महिला के साथ आगरा के बिचपुरी क्षेत्र स्थित एक होटल में दो युवकों ने दुराचार किया। तीसरे ने वीडियो बनाया। महिला के जेवरात छीन लिए। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 80 हजार रुपये मांगे। महिला ने 40 हजार रुपये दे दिए। तब आरोपी दो लाख मांगने लगे। महिला ने नहीं दिए तो वीडियो रिश्तेदारों को भेज दिए। महिला ने पुलिस की शरण ली। सदर थाना पुलिस ने दो आरोपियों को जेल भेजा है। तीसरा फरार है। एसीपी सदर सुकन्या शर्मा ने बताया कि सिरसागंज निवासी महिला की सोशल मीडिया पर एक युवक से दोस्ती हुई। दोस्त के कहने पर 24 अगस्त को महिला दवा लेने का बहाना कर फिरोजाबाद से आगरा आई।

भदोही सांसद का एक्सीडेंट, आपस में टकराईं काफिले की गाड़ियां, बाल-बाल बचे विनोद बिंद

वाराणसी. वाराणसी में भीषण सड़क हादसे में तीन गाड़ियां आपस में टकरा गईं। ये गाड़ियां भदोही के सांसद विनोद बिंद के काफिले की थीं। हादसे में सांसद बाल-बाल बच गए। ऑल्टो सवार को बचाने में सांसद की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। भदोही सांसद को कोई चोट नहीं आई। बताया जा रहा है कि वाराणसी के बाबतपुर एस एस पब्लिक स्कूल के पास भदोही सांसद का एक्सीडेंट हुआ। रास्ते में एक अन्य ऑल्टो गाड़ी को बचाने में काफिले की तीन गाड़ियां आपस में टकरा गईं। गाड़ी का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और भदोही सांसद विनोद कुमार बिंदबाल-बालबच गए।

कुख्यात हाशिम बाबा गैंग के दो शार्प शूटर पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, 3 पिस्टल, कारतूस बरामद

यूपी एसटीएफ की मेरठ यूनिट और दिल्ली स्पेशल सेल ने मुजफ्फरनगर के खतौली में गुरुवार अलसुबह हाशिम बाबा गैंग के दो शूटर को घेर लिया। आमने सामने की गोलीबारी हुई और इसके बाद दोनों शूटर को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से चोरी की कार, तीन पिस्टल और कारतूस बरामद किए गए हैं। आरोपियों के खिलाफ खतौली में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

कुख्यात हाशिम बाबा गैंग के दो शूटर अनस और असद की लोकेशन गुरुवार को मेरठ के आसपास मिल रही थी। इन दोनों शूटर के पीछे दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल लगी थी। दूसरी ओर से यूपी एसटीएफ को भी इनकी लोकेशन पता चली और इसके बाद दोनों शूटर की गिरफ्तारी के लिए ज्वाइंट ऑपरेशन शुरू किया गया। इन दोनों शूटर की तलाश में एनएच-58 पर गाजियाबाद से लेकर मुजफ्फरनगर तक घेराबंदी की गई। सेल्टोस कार सवार दो संदिग्ध को मुजफ्फरनगर के खतौली में भैंसी गांव के पास ही घेर लिया गया। कार सवार दोनों बदमाशों ने टीम पर गोलियां चलानी शुरू कर दी। इसके बाद करीब 8 से 10 राउंड गोलीबारी की गई। इस मुठभेड़ में दोनों शूटर अनस और असद को गिरफ्तार कर लिया गया।

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाएंगे- पीएम मोदी

- फर्स्ट फेज की वोटिंग में इतिहास रचा
- 25 सितंबर को सारे रिकॉर्ड टूटने चाहिए

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में कहा, 'हमने देश की संसद में कहा है कि जम्मू-कश्मीर को दोबारा राज्य का दर्जा दिलाएंगे। भाजपा ही इसे पूरा करेगी। इसलिए मेरी आपसे अपील है कि 25 सितंबर को वोटिंग के सारे रिकॉर्ड टूटने चाहिए।'

इसके पहले उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस, PDP और कांग्रेस को लेकर कहा, 'इन तीन खानदानों ने अपनी सियासी दुकान चलाने के लिए दशकों तक घाटी में नफरत का सामान बेचा है। इनके कारण ही यहां के युवा तरक्की नहीं कर पाए।'

पिछले 6 दिन में राज्य में PM मोदी का यह दूसरा कश्मीर दौरा है। इससे पहले वे 14 सितंबर को डोडा पहुंचे थे। वे यहां पार्टी कैंडिडेट्स से भी मिलेंगे। इसके बाद दोपहर 3 बजे वे कटरा जाएंगे, जहां एक और जनसभा होगी।

चुनाव में पहले फेज में इतनी बड़ी तादाद में वोटिंग हुई। ये खुशी की बात है कि दहशतगर्दी खत्म हुई और चुनाव के लिए लोग इतनी बड़ी तादाद में घर से बाहर निकले। ये नया इतिहास बना है। आपने ये इतिहास रचा है। दुनिया देख रही है कि कैसे जम्मू-कश्मीर के लोग भारत के लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं।

दिल्ली से लेकर जम्मू-कश्मीर तक ये लोग बौखलाए हुए हैं। इन्हें लगता है, जैसे-तैसे कुर्सी पर कब्जा जमाना और फिर आपको लूटना, ये इनका पैदायशी हक है। जम्मू-कश्मीर की आवाम को उनके जायज हक से महरूम रखना ही इनका सियासी एजेंडा रहा है। इन्होंने सिर्फ डर और अराजकता ही दी है। अब कोई इनके शिकंजे में रहने वाला नहीं है।

डॉक्टरों का हड़ताल खत्म करने से इनकार

- प्रदर्शनकारी बोले- हम बातचीत से संतुष्ट नहीं
- TMC सांसद जवाहर सरकार ने इस्तीफा दिया

कोलकाता. कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस को लेकर प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों और बंगाल सरकार के बीच बुधवार को दूसरे दौर की बातचीत हुई। डॉक्टरों ने अपनी मांगों को लेकर बंगाल के चीफ सेक्रेटरी मनोज पंत के साथ ढाई घंटे बैठक की, लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकला। डॉक्टरों ने कहा कि वे सरकार से हुई बातचीत से असंतुष्ट हैं और अपनी हड़ताल जारी रखेंगे। डॉक्टरों ने यह आरोप लगाया कि बैठक में डॉक्टरों राज्य सरकार ने बैठक की लिखित कार्यवाही (मिनट्स ऑफ मीटिंग) मांगे थे, जिसे देने से सरकार ने इनकार कर दिया।

इस बीच CBI ने गुरुवार को कलकत्ता मेडिकल कॉलेज के सुपरिनटैंडैंट अंजन अधिकारी से पूछताछ की। उन्हें TMC विधायक और पश्चिम बंगाल मेडिकल काउंसिल के अध्यक्ष सुदीप्त रॉय के बारे में जानकारी देने के लिए बुलाया गया था।

उधर आरजी कर कॉलेज और हॉस्पिटल में रेप-मर्डर की घटना के विरोध में TMC से राज्यसभा सांसद जवाहर सरकार ने संसद सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।

बिहार में दबंगों ने दलितों के 80 घर जलाए

- गांव वालों ने कहा- कई राउंड फायरिंग की
- इलाके में तनाव, 5 थानों की पुलिस तैनात

नवादा. बिहार के नवादा में दलित बस्ती में दबंगों ने बुधवार रात 8 बजे 80 घरों में आग लगा दी। आरोपियों ने फायरिंग भी की। लोगों के साथ मारपीट भी हुई। इसके बाद यहां तनाव बना हुआ है। गांव में हालात पर काबू पाने के लिए 5 थानों की पुलिस तैनात की गई है। मुख्य आरोपी नंदू पासवान समेत 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस घटना की वजह जमीन विवाद बताया जा रहा है।

मामला नवादा जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के ददौर स्थित कृष्णा नगर दलित बस्ती का है। कई मवेशी भी जल गए। मौके पर दमकल विभाग की गाड़ियां पहुंचीं। कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक घर में रखे सामान जलकर राख हो गए। घर फूस और खपरैल के थे।

जमीन को लेकर विवाद, मामला कोर्ट में है

घटना की वजह भूमि विवाद है। गांव के एक बड़े भूखंड पर दलित परिवार रहते है। इसी भूखंड को लेकर दूसरे पक्ष से विवाद चल रहा है। इसकी सुनवाई कोर्ट में हो रही है। पीड़ित परिवारों का आरोप है कि बुधवार की देर शाम अचानक दबंगों ने हमला कर दिया। मारपीट की। घरों में आग लगा दी। फायरिंग भी की।

पीड़ित लक्ष्मीनिया देवी ने बताया कि हम लोग की बस्ती सरकारी जमीन पर है। नंदू पासवान इसे कब्जा करना चाहता है। वो अपने साथियों के साथ आया और इस घटना को अंजाम दिया।

भारत ने सिंधु जल संधि की समीक्षा के लिए पाकिस्तान को भेजा नोटिस

जानें क्या है सिंधु जल समझौता?

दरअसल, सिंधु जल संधि के प्रावधानों के तहत सतलज, व्यास और रावी का पानी भारत को और सिंधु, झेलम और चिनाब का पानी पाकिस्तान को दिया गया है। भारत और पाकिस्तान ने नौ सालों की बातचीत के बाद 19 सितंबर 1960 में सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें विश्व बैंक भी एक हस्ताक्षरकर्ता (सिग्नेटरी) है। दोनों देशों के जल आयुक्तों को साल में दो बार मुलाकात करनी होती है और परियोजना स्थलों एवं महत्त्वपूर्ण नदी हेडवर्क के तकनीकी दौरे का प्रबंध करना होता है।

नई दिल्ली. भारत ने पाकिस्तान को सिंधु जल संधि की समीक्षा के लिए एक औपचारिक नोटिस भेजा है। नई दिल्ली का कहना है कि परिस्थितियों में मूलभूत और अप्रत्याशित बदलाव हुए हैं, जिससे इस समझौते का पुनर्मूल्यांकन जरूरी हो गया है। सरकारी सूत्रों ने बुधवार को बताया कि यह नोटिस 30 अगस्त को सिंधु जल समझौते के अनुच्छेद 12 (3) के तहत भेजा गया है।

इस समझौते पर भारत और पाकिस्तान ने 19 सितंबर 1960 को हस्ताक्षर किए थे। जिसमें विश्व बैंक भी एक हस्ताक्षरकर्ता था। इस संधि का मकसद दोनों देशों के बीच जल वितरण पर सहयोग और जानकारी का आदान-प्रदान करना है। भारत ने इस नोटिस में कुछ प्रमुख चिंताओं का का जिक्र किया है, जैसे जनसंख्या परिवर्तन, पर्यावरणीय मुद्दे और स्वच्छ उर्जा के विकास की जरूरत। भारत का कहना है कि ये बदाव संधि की शर्तों की समीक्षा की मांग कर रहे है। इसके अलावा, भारत ने पाकिस्तान में निरंतर आतंकवाद के प्रभाव को भी समीक्षा की एक वजह बताया है। एक सूत्र ने कहा कि किशनगंगा और रतले पनबिजली परियोजनाओं को लेकर एक अलग लंबे विवाद की पृष्ठभूमि में अधिसूचना जारी की गई थी।

भारत ने विश्व बैंक से आग्रह किया है कि वह विवादों के समाधान के लिए दोनों तंत्रों (तटस्थ विशेषज्ञ और आर्बिट्रेशन कोर्ट) की प्रक्रिया पर फिर से विचार करे। भारत ने यह भी कहा कि वह विवाद को हल करने के लिए सीधे बातचीत शुरू करने की उम्मीद करता है।

आतिशी के साथ नई कैबिनेट भी शपथ लेगी

- नया चेहरा मुकेश अहलावत, गोपाल राय-सौरभ भारद्वाज समेत 4 पुराने चेहरे

नई दिल्ली. दिल्ली की मुख्यमंत्री चुनी गईं आतिशी 21 सितंबर को पद की शपथ लेंगी। आतिशी अपनी कैबिनेट के साथ शपथ लेंगी। कैबिनेट में मुकेश अहलावत नया चेहरा होंगे।

AAP ने बताया कि मुकेश सामाजिक न्याय मंत्री राजकुमार आनंद की जगह लेंगे। अहलावत दिल्ली की सुल्तानपुर माजरा सीट से विधायक हैं। वे आम आदमी पार्टी (AAP) का दलित चेहरा हैं। दिल्ली सरकार की कैबिनेट में मुख्यमंत्री समेत सात सदस्य हैं। नए मुख्यमंत्री और नए सदस्यों का कार्यकाल छोटा होगा, क्योंकि मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल फरवरी 2025 तक है। कैबिनेट में गोपाल राय, कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज और इमरान हुसैन मंत्री पद पर बरकरार रहेंगे। सातवें सदस्य के नाम की घोषणा अभी

नहीं की गई है। अरविंद केजरीवाल ने 17 सितंबर को विधायक दल की बैठक में आतिशी के नाम का प्रस्ताव रखा था। इसके बाद उन्हें मुख्यमंत्री चुना गया। इसी दिन केजरीवाल ने अपना इस्तीफा दिया था।

मार्च 2023 में दिल्ली कैबिनेट का हिस्सा बनी थीं आतिशी

आतिशी आप की स्थापना के वक्त ही पार्टी में शामिल हो गई थीं। 2013 के विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की मेनिफेस्टो ड्राफ्टिंग कमेटी की सदस्य थीं। वह पार्टी की प्रवक्ता भी रह चुकी हैं। वह दिल्ली विधानसभा में कालकाजी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं और दिल्ली सरकार में सबसे ज्यादा विभागों की जिम्मेदारी उन्हीं के पास है।

आतिशी को मार्च 2023 में शराब नीति मामले में मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद AAP के सामने आई मुश्किलों के चलते दिल्ली कैबिनेट में नियुक्त किया गया था। आतिशी के सामने कई चुनौतियां होंगी, क्योंकि वे दिल्ली में फिर से आम आदमी पार्टी की सत्ता वापस लाने के लिए पार्टी का प्रमुख चेहरा होंगी।

तिरुपति लड्डू में जानवर की चर्बी?

तिरुपति. विश्व प्रसिद्ध तिरुपति लड्डू बनाने में घटिया सामग्री और पशु चर्बी के कथित उपयोग को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) ने गुरुवार को दावा किया कि गुजरात स्थित पशुधन लैब द्वारा लड्डू में पशु चर्बी की मिलावट की पुष्टि की गई है। तेदेपा प्रवक्ता अनम वेंकट रमण रेड्डी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कथित लैब रिपोर्ट दिखाई, जिसमें दिए गए घी के नमूने में गोमांस की चर्बी की मौजूदगी की पुष्टि की गई थी।

हेलीकॉप्टर से कैलाश दर्शन अगले हफ्ते से

- खर्च 75 हजार रुपए
- 55 साल तक की उम्र वालों को ही यात्रा कराई जाएगी

पिथौरागढ़. भारत से ही कैलाश पर्वत के दर्शन का इंतजार कर रहे श्रद्धालुओं के लिए बड़ी खबर है। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के ओल्ड लिपुलेख की पहाड़ियों से MI-17 हेलिकॉप्टर से अगले हफ्ते से कैलाश पर्वत के दर्शन शुरू हो जाएंगे। इसकी घोषणा 2-3 दिन में हो सकती है। इस यात्रा का खर्च 75 हजार रुपए होगा।

कैलाश पर्वत चीन आधिपत्य वाले तिब्बत में है और व्यू पॉइंट से चीन बॉर्डर 10 किमी दूर है। व्यू पॉइंट की ऊंचाई 14 हजार फीट से अधिक है। इसलिए 55 साल की उम्र तक वालों को ही यात्रा कराई जाएगी।

पुराने रास्तों की तुलना में आधे से भी कम में होगी यात्रा

पहले की तुलना में इस बार यात्रा का खर्च आधे से भी कम है। 2019 तक भारतीय नागरिक तीन रास्तों से कैलाश पर्वत पहुंच सकते थे। पहला- नेपाल, दूसरा- ओल्ड लिपुलेख और तीसरा- सिक्किम। इन रूट्स से यात्रा 11 से 22 दिन में पूरी होती थी और 1.6 लाख से 2.5 लाख रु. तक खर्च हो जाते थे। कोरोना आते ही चीन ने तीनों रास्ते बंद कर दिए। इसलिए भारत सरकार ने ओल्ड लिपुलेख की पहाड़ियों से कैलाश दर्शन कराने का रास्ता निकाला। इस रास्ते को बीआरओ ने बड़ी मुश्किल से कई पहाड़ों को काटकर बनाया है।

भारत ने पहले दिन बनाए 339 रन

- अश्विन का धमाकेदार शतक
- जडेजा-यशस्वी की फिफ्टी

इंडिया वर्सेस बांग्लादेश दो मैच की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला आज यानी 19 सितंबर से चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जा रहा है। भारत ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के पहले दिन 6 विकेट खोकर 339 रन बनाए हैं। रविंद्र जडेजा और अश्विन के बीच हुई शतकीय साझेदारी की बदौलत भारतीय टीम 300 के पार पहुंचने में कामयाब हुई। दिन का खेल खत्म होने तक अश्विन (102) और जडेजा (86) रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। भारत के तीन खिलाड़ियों ने पहले दिन अर्धशतक लगाया। बांग्लादेश की ओर से हसन महमूद ने सबसे ज्यादा 4 विकेट चटकाए।

रविंद्र जड़ेजा 86 रन पर खेल रहे

चेन्नई टेस्ट के पहले दिन का पहला और दूसरा सेशन भारत के लिए अच्छा नहीं रहा। टीम ने रोहित शर्मा (6), शुभमन गिल (0) और विराट कोहली (6) के रूप में तीन विकेट 88 के स्कोर पर गंवाए। दूसरे सेशन की शुरुआत भी भारत के लिए अच्छी नहीं रही। हसन महमूद ने ऋषभ पंत के रूप में अपना चौथा शिकार किया। पंत 39 रन बनाकर आउट हुए। पंत ने चौथे विकेट के लिए जायसवाल के साथ अर्धशतकीय साझेदारी की। अब क्रीज पर यशस्वी जायसवाल का साथ देने केएल राहुल आए हैं। यशस्वी जायसवाल ने 95 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा। यशस्वी के रूप में भारत को 5वां झटका 144 के स्कोर पर लगा, वह 56 रन बनाकर आउट हुए। जायसवाल के पीछे-पीछे केएल राहुल भी 16 रन बनाकर पवेलियन लौटे। रविंद्र जडेजा और अश्विन क्रीज पर मौजूद हैं। दोनों के बीच शतकीय साझेदारी हुई। अश्विन ने 108 गेंद में शतक जड़ दिया है।

शाह बोले- पाकिस्तान और कांग्रेस का एजेंडा एक

- राहुल भारत विरोधी ताकतों के साथ
- PAK रक्षा मंत्री बोले थे- 370 की बहाली चाहते हैं

नई दिल्ली. पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के जम्मू-कश्मीर पर दिए बयान पर विवाद हो गया है। आसिफ ने कहा था कि वे भी कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन की तरह जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 की बहाली चाहते हैं।

ख्वाजा के इस बयान पर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- कांग्रेस और पाकिस्तान के इरादे और एजेंडा एक ही हैं। पिछले कुछ सालों से राहुल गांधी हर एक भारत विरोधी ताकतों के साथ खड़े दिखे हैं।

जम्मू-कश्मीर के भाजपा प्रभारी और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा- पाकिस्तान के रक्षा मंत्री के बयान से यह स्पष्ट हो गया है कि राहुल गांधी और फारूक अब्दुल्ला पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं। वे पाकिस्तान के इशारों पर नाच रहे हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस (NC)-कांग्रेस जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान की कठपुतली के रूप में काम कर रहे हैं।

दरअसल, जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और

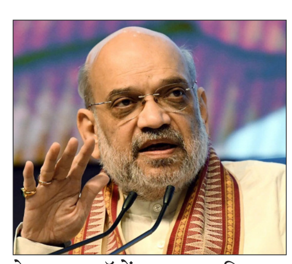

नेशनल कॉन्फ्रेंस साथ मिलकर चुनाव लड़ रही हैं। फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि अगर गठबंधन सत्ता में आता है तो आर्टिकल 370 को वापस लाएंगे।

गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया X पर लिखा, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का आर्टिकल 370 और 35A पर कांग्रेस और JKNC के समर्थन की बात ने एक बार फिर कांग्रेस को एक्सपोज कर दिया। इस बयान ने पुनःएक बार यह स्पष्ट कर दिया कि कांग्रेस और पाकिस्तान के इरादे भी एक हैं और एजेंडा भी। पिछले कुछ वर्षों से राहुल गांधी देशवासियों की भावनाओं को आहत करते हुए भारत विरोधी ताकतों के साथ खड़े रहे हैं।

शाह ने आगे लिखा, एयर स्ट्राइक व सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगने हों या भारतीय सेना के बारे में आपत्तिजनक बातें करना हो, राहुल गांधी की कांग्रेस पार्टी और पाकिस्तान के सुर हमेशा एक रहे हैं। कांग्रेस का हाथ हमेशा देश विरोधी शक्तियों के साथ रहा है।

अब रामपुर में दून एक्सप्रेस को पलटने की कोशिश

- ट्रैक पर रखा सात मीटर लंबा खंभा
- इमरजेंसी ब्रेक से रोकी गाड़ी

रामपुर. यूपी में एक बार फिर ट्रेन को पलटने की कोशिश हुई है। रामपुर में रेलवे ट्रैक पर सात मीटर खंभा रखकर काठगोदाम-देहरादून एक्सप्रेस ट्रेन को डिरेल करने की कोशिश हुई है। संयोग से लोको पायलट ने दूर से ही खंभे को देख लिया और इमरजेंसी ब्रेक लगाकर गाड़ी रोक ली। मामले की जानकारी होते ही खलबली मच गई। खंभा हटाकर ट्रेन तो रवाना कर दी गई लेकिन आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक तथा जीआरपी एसपी ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण कर जायजा लिया।

इसी दौरान गाड़ी संख्या 12091 काठगोदाम देहरादून एक्सप्रेस देहरादून से वापस काठगोदाम उसी ट्रैक से जा रही थी। ट्रेन के लोको पायलट ने रेलवे लाइन पर बिजली का खंभा देखा तो चौंक गए। तत्काल इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक लिया और मामले की जानकारी अधिकारियों को दी। साथी रेलकर्मियों की मदद से खंभे को ट्रैक से हटाया भी गया।

उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर

शहर अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम विभाग यांचे कार्यालय

उल्हासनगर महानगरपालिका शहरा मधील खालील नमुद 5 कामे योग्य वर्गातील ठेकेदारा कडून निविदा प्रणाली पध्दतीनुसार महानगर पालिकेच्या अटी व शर्तींसअधिन राहून दिनांक 20/09/2024 रोजी निविदा मागविण्याकरीता प्रसिध्द करण्यात येत आहे.
सदर निविदा प्रणाली बाबत इतर आवश्यक माहिती www.umc.gov.in या संकेत स्थळावर प्रसिध्द करण्यात आली आहे.

अ. क्र.	निविदा क्रमांक	कामाचे नाव	रक्कम	टक्केवारी	कालावधी	वर्गवारी
1.	उमपा/साबांवि/नोटीस/ 2024-25/5/1	उल्हासनगर-3 प्रभाग क्र.10 मधील मिनाताई ठाकरे 2024-25/5/2 शौचालयाची दुरुस्ती करणे	500000	1%	3 महिने	VI TH
2.	उमपा/साबांवि/नोटीस/ 2024-25/5/2	उल्हासनगर-3 प्रभाग क्र.10 मधील विविध ठिकाणची शौचालयाची दुरुस्ती करणे	500000	1%	3 महिने	VI TH
3.	उमपा/साबांवि/नोटीस/ 2024-25/5/3	उल्हासनगर-3 प्रभाग क्र.10 मधील फॉलकोन हॉटेलच्या बाजूला नाला व मुतारी बनविणे	500000	1%	3 महिने	VI TH
4.	उमपा/साबांवि/नोटीस/ 2024-25/5/4	उल्हासनगर-3 प्रभाग क्र.10 मधील विविध ठिकाणची शौचालयाची दुरुस्ती करणे	500000	1%	3 महिने	VI TH
5.	उमपा/साबांवि/नोटीस/ 2024-25/5/5	उल्हासनगर-3 मधील ओमकार कांबळे ते मोती शेख परिसरात नाला दुरुस्ती करणे व बनविणे	1000000	1%	3 महिने	VI TH

सदर निविदा प्रणालीबाबत इतर आवश्यक माहिती www.umc.gov.in या संकेत स्थळावर प्रसिध्द करण्यात आली आहे.

जा.क्र. उमपा/पिआरओ/352/2024.
दिनांक : 19/09/2024

सही/-
कार्यकारी अभियंता (साबांवि)
उल्हासनगर महापालिका

संक्षेप...

गणपति विसर्जन के दौरान 21 लोगों की मौत

मुंबई. गणपति विसर्जन के दौरान राज्य में अलग-अलग घटनाओं में 21 लोगों की मौत हो गई. उत्तरी महाराष्ट्र में नौ, विदर्भ में सात और विरार में एक व्यक्ति की मौत हुई है. इसके अलावा छत्रपति संभाजीनगर में एक, नगर जिले में दो और इंदापुर में एक व्यक्ति डूब गया. धुले जिले के चितोड़ गांव में गणपति विसर्जन जुलूस के दौरान चालक के नियंत्रण खोने के बाद ट्रैक्टर भीड़ में घुस गया, जिससे तीन बच्चों सहित एक युवा महिला की मौत हो गई।10 लोग घायल हो गए. विरार पूर्व के टोटले झील में गणेश विसर्जन के लिए गया एक युवक झील में डूब गया है। इस युवक का नाम अमित मोहिते (24) है। अमित विरार की टोटले झील पर विसर्जन के लिए उतरे थे। इसी दौरान अमित को दौरा पड़ा और वह पानी में गिर गया. धुले जिले के चितोड़ गांव में गणपति विसर्जन जुलूस के दौरान चालक के नियंत्रण खोने के बाद ट्रैक्टर भीड़ में घुस गया, जिससे तीन बच्चों सहित एक युवा महिला की मौत हो गई।10 लोग घायल हो गए. ट्रैक्टर के कुचलने से परी उर्फ दिव्यानी बागुल, लाडू उर्फ आदित्य पवार (3), शेरा सोनवणे-जाधव (6) के साथ ही गायत्री पवार (20) की मौत हो गई।

विस चुनाव से पहले सीट बंटवारे को लेकर गठबंधन दलों में खींचतान

मुंबई. महाराष्ट्र में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, फिलहाल इसकी औपचारिक घोषणा होनी बाकी है। वहीं इससे पहले राजनीतिक दलों की तरफ से अपनी तैयारियां की जा रही है। राज्य की प्रमुख छह पार्टियों के दो गठबंधन के बीच विधानसभा का सीधा मुकाबला होना है। पार्टियों के बीच सीट बंटवारे के लिए खींचतान जारी है जिससे राजनीतिक गलियारों में कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। हालांकि दोनों गठबंधनों के नेता दावा कर रहे हैं कि सीट बंटवारा को अंतिम रूप जल्द ही दे दिया जाएगा।

सीट बंटवारे में देरी के लिए कांग्रेस जिम्मेदार

कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और राकांपा (एसपी) वाले महा विकास आघाडी (एमवीए) तीन दिन में सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने का दावा कर रहा है लेकिन यह

आसानी से होते दिखाई दे नहीं रहा है । शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) में सीट बंटवारे को लेकर देरी के लिए बुधवार को कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। राउत ने कहा कि कांग्रेस इन दिनों व्यस्त है लेकिन इसके बावजूद हमने उन्हें बुलाया है ताकि इसे (सीट बंटवारे पर बातचीत) समाप्त किया जा सके। वे बहुत व्यस्त हैं इसलिए तारीख पर तारीख दे रहे हैं। इसलिए हमने फैसला किया है कि अगले तीन दिन में हम साथ बैठेंगे।

एमवीए से पहले करेंगे सीटों का बंटवारा

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में बस कुछ ही महीने बचे हैं, ऐसे में राज्य के राजनीतिक दल नेताओं की तरफ अपने-अपने दावे किए जा रहे हैं । राज्य भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि सीटों के बंटवारे पर सत्तारूढ़ गठबंधन का फॉर्मूला लगभग 70-80 प्रतिशत विधानसभा क्षेत्रों पर अंतिम रूप दे दिया गया है, और यह समझौता उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) से काफी पहले ही तय हो जाएगा। महायुति सहयोगियों के बीच सीटों के बंटवारे पर देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सीटों के बंटवारे के फार्मूले को जल्द ही अंतिम रूप दे दिया जाएगा। महायुति (महागठबंधन) में भाजपा, शिवसेना और एनसीपी शामिल हैं।

लोकसभा वाली गलती नहीं दोहराने की नसीहत

एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना से जुड़े उद्योग मंत्री उदय सामंत कहते हैं कि महायुति के तीनों नेता महाराष्ट्र की राजनीतिक स्थिति से अच्छी तरह वाकिफ हैं। कुछ उम्मीदवारों की घोषणा बहुत देर से करने की गलती (जैसा कि राज्य में लोकसभा चुनावों के दौरान हुआ था) इस बार नहीं दोहराई जाएगी। हमने 75 प्रतिशत से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए सीट-बंटवारे का फॉर्मूला पूरा कर लिया है।

कैबिनेट मंत्री और एनसीपी नेता छगन भुजबल ने सीटों के बंटवारे पर महायुति की तरफ से व्यापक समझौते के बारे में कहा कि मुझे इसके बारे में जानकारी नहीं है। लेकिन हमने (एनसीपी) चुनाव लड़ने के लिए लगभग 80 सीटों की मांग की है।

गौरतलब है कि राज्य के मौजूदा विधानसभा में, भाजपा 103 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी है, उसके बाद शिवसेना 40, एनसीपी 41, कांग्रेस 40, शिवसेना (यूबीटी) 15, एनसीपी (एसपी) 13 और अन्य 29 हैं। हालांकि कुछ सीटें खाली हैं।

श्रीकांत परोपकारी का हुआ तबादला

मोहन दहीकर हुए भिवंडी के नए पुलिस उपायुक्त

भिवंडी. मंगलवार रात्रि को गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस पर कुछ अराजक तत्वों द्वार की गई पत्थरबाजी से भिवंडी का शांत माहौल भंग होने को ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे ने गंभीरता से लिया है.उन्होंने भिवंडी पुलिस उपायुक्त डा.श्रीकांत परोपकारी का तबादला कर मनोज दहीकर को भिवंडी का नया पुलिस उपायुक्त बनाकर शहर में अचानक पैदा हुई चुनौतियों से निपटे जाने एवम शहर की शांति व्यवस्था को मजबूत किए जाने का आदेश दिया है.

गौरतलब हो कि,विगत मंगलवार की रात्रि को काम वारी नदी स्थित तिलक घाट पर विसर्जन के लिए जा रही घूंघट नगर की गणपति प्रतिमा पर बंजार पट्टी नाका के समीप कुछ अराजक तत्त्वों द्वारा पत्थर फेंके गए. पत्थरबाजी की घटना में कुछ गणेश मूर्तियां खंडित हुई और कुछ भक्तगण एवम पुलिस कर्मी भी घायल हुए थे.घटना की सूचना मिलते ही भाजपा विधायक महेश चौगुले,पुलिस सह आयुक्त ज्ञानेश्वर चव्हाण सहित तमाम रसूखदार लोगों ने आक्रोशित भक्तों

को समझाने का काफी प्रयास किया बावजूद लोगों की भीड़ बढ़ती देखकर सुरक्षा की खातिर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को हल्का लाठी चार्ज कर आक्रोशित भीड़ को तितर-बितर कर मामला अंडर कंट्रोल करना पड़ा था.भिवंडी की घटना को बेहद गंभीरता से लेते हुए शासन के निर्देश पर पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे ने तेजतर्रार, अनुभवी पुलिस अधिकारी मनोज दहीकर को भिवंडी का नया डीसीपी नियुक्त कर शहर के तमाम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने के लिए जरूरी कदम उठाए जाने के निर्देश दिए हैं.नए डीसीपी दहीकर के समक्ष नागरिकों की सुरक्षा सहित शहर में अमन-चैन बहाली की अहम चुनौती है.

आदित्य को हराने मनसे ने कसी कमर

मुंबई. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) ने वर्ली विधानसभा के लिए रणनीति बनाना शुरू कर दी है. अगले शनिवार को एमएनएस ने 'वर्ली विजन' नाम से एक कार्यक्रम का आयोजन किया है. वर्ली की जनता की विभिन्न समस्याओं को लेकर इसे पेश किया जाएगा. माना जा रहा है कि वर्ली विधानसभा के लिए मनसे हाईटेक घोषणा पत्र पेश करने वाली है. इस कार्यक्रम का उद्घाटन राज ठाकरे करेंगे. दरअसल, वर्ली में शिवसेवा-यूबीटी बनाम एमएनएस की सीधी लड़ाई होने वाली है. यह उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे की सीट है.

2006 में राज ठाकरे ने खुद की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना पार्टी बनाई उस वक्त से लेकर आज तक यानी 18 साल से यह राज्य दोनों भाइयों की लड़ाई देख रहा है.

मराठी मानुष का मुद्दा हो या फिर हिंदुत्व का राज और उद्धव की पार्टी का एक ही अजेंडा रहा है. इसका मतलब साफ है कि दोनों पार्टियों के वोटरों की भी विचारधारा एक ही है. आने वाली विधानसभा चुनाव में वोटरों का बंटना तय है. लेकिन दोनों भाइयों की लड़ाई में फायदा किसे होगा? महाविकास अघाड़ी या महायुति?

उद्धव ठाकरे के पार्टी का जन्म 1966 में हुआ और राज ठाकरे की एमएनएस की शुरुआत 2006 में हुई. 2009 में राज ठाकरे पहली बार विधानसभा का चुनाव लड़े उस समय ठाकरे के 13 विधायक जीत कर आए थे. इसी चुनाव में उद्धव ठाकरे के 44 विधायक जीते थे. 2014 और 2019 राज ठाकरे की पार्टी के एक-एक विधायक चुनकर आए थे. उसकी तुलना मे उद्धव ठाकरे के 2014 में 63 और 2019 में 56 विधायक जीतकर आए थे.

क्या महायुति के साथ आएंगे राज ठाकरे?

एमएनएस ने लोकसभा चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी को समर्थन का ऐलान किया था लेकिन विधानसभा राज ठाकरे बीजेपी के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले हैं. हालांकि बीजेपी और सीएम शिंदे से दोस्ती का हाथ मिलाने की भी संभावना है क्योंकि अगर राज ठाकरे खुद क बल पर लड़ते हैं तो मराठी वोटों में बंटवारा हो सकता है. यह टालने के लिए शिंदे और फडणवीस राज ठाकरे को मना सकते हैं.

शिंदे सेना की महिला कार्यकर्ताओं ने

कांग्रेस नेताओं की तस्वीर पर बरसाई चप्पल

कल्याण. कल्याण के छत्रपति शिवाजी महाराज चौक में शिंदे गुट की महिला कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता सुनील केदार के बयान को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस के विधायक सुनील केदार ने अपने बयान में लाड़ली बहन योजना का विरोध करते हुए महिलाओं को मिलने वाले योजना के पैसे बंद करने के लिए कहा था। इस बयान को लेकर शिंदे सेना की महिला कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन कर सुनील केदार और राहुल गांधी की तस्वीर पर चप्पल बरसाईं। 'कांग्रेस लाड़ली बहनों का सौतेला भाई है' इस तरह का पोस्टर महिला कार्यकर्ताओं के हाथों में नजर आया। इस दौरान महिला कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेताओं के खिलाफ ज़ोरदार नारेबाज़ी की। विरोध प्रदर्शन में शिंदे गुट की पूर्व नगरसेविका छाया वाघमारे, महिला जिला संगठक पुष्पा ठाकरे, सनम शेख सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थी।

शांति-व्यवस्था मजबूती के लिए सबका सहयोग जरूरी : कपिल पाटिल

पूर्व केंद्रीय मंत्री की सभी जनप्रतिनिधियों एवम शहरवासियों से अपील

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी शहर की शांति- व्यवस्था की जिम्मेदारी सभी राजनैतिक दलों के जनप्रतिनिधियों सहित तमाम शहरवासियों के कंधों पर है.शहर में अमन-चैन रहने से ही लोगों का जीवन सुखमय रहेगा.पुलिस विभाग को गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुई पत्थरबाजी घटना में लिप्त अराजक तत्वों पर कड़ी कार्यवाही करनी चाहिए.उक्त उद्गार पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल ने व्यक्त करते हुए राजनैतिक दलों के जिम्मेदार नेताओं एवम शहरवासियों से कानून-व्यवस्था की मजबूती हेतु पुलिस से सहयोग की अपील की.

गौरतलब हो कि,गणपति प्रतिमा

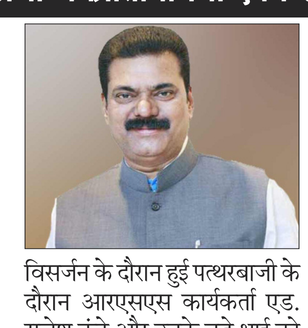

विसर्जन के दौरान हुई पत्थरबाजी के दौरान आरएसएस कार्यकर्ता एड. राजेश कुंटे और उनके बड़े भाई को पत्थर लगने से घायल हो गए थे.पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल घायल कुंटे के घर जाकर हालचाल जाना.केंद्रीय मंत्री पाटिल शहर के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए राजनैतिक विरोधियों पर तंज कसते हुए कहा कि, 10 वर्षों तक मेरे संसदीय कार्यकाल में कोई फसाद नहीं हुआ.जनप्रतिनिधियों को सभी समुदाय को साथ लेकर चलना चाहिए.भिवंडी आपसी भाईचारे एवम गंगा -जमुना तहजीब का शहर है. सभी धर्मों के लोग आपसी भाईचारा की भावना से मिल जुलकर आपस में सभी त्योहार पर खुशियां मनाते हैं. भिवंडी शांतिप्रिय शहर है. गणेश विसर्जन के दौरान हुई पत्थरबाजी की घटना बेहद अफसोसजनक, निंदनीय है. सभी राजनैतिक दलों के जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि, शहर की शांति-व्यवस्था को चुस्त- दुरुस्त करने में मिलजुल कर पुलिस विभाग का सहयोग करें.

हत्या की गुत्थी आखिरकार पुलिस ने सुलझा ली

ठाणे. कोलशेट में एक सिक्योरिटी सुपरवाइजर का सिर काटने का गंभीर मामला सामने आया है. इस मामले में अब ठाणे अपराध जांच शाखा ने बिल्डिंग के सुरक्षा गार्ड को गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी का नाम प्रसाद कदम है और जांच में पता चला कि सुपरवाइजर से दुर्व्यवहार के बाद उसने यह हरकत की. जांच में पता चला है कि उसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं है। कोलशेत में एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स है। सुबह जब सफाई कर्मचारी इस इमारत की छत पर गए तो सुरक्षा पर्यवेक्षक सोमनाथ

देबनाथ का शव मिला। उसका सिर चकरा गया. उनके सिर, चेहरे, गर्दन और पीठ पर भी हथियारों से वार किया गया। इस गिरावट के बाद पूरे शहर में उत्साह फैल गया. साथ ही, उनके शव का फिल्मांकन सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया। इससे कोलशेट इलाके में डर का माहौल पैदा हो गया. इस हत्या को लेकर कपूरबावड़ी थाने में मामला दर्ज किया गया था. मामले की समानांतर जांच ठाणे अपराध जांच शाखा यूनिट पांच (वाघले एस्टेट) द्वारा की जा रही थी।

पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी. उस समय इमारत के सुरक्षा गार्ड प्रसाद कदम को सोमनाथ के साथ निकासी में जाते हुए पाया गया था। वापसी में कदम अकेला था। इससे पता चलता है कि हत्या उसी ने की है. यूनिट पांच के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विकास घोडके की एक टीम ने आखिरकार कदम का पता लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया। सोमनाथ ने प्रसाद को गाली दी. इसके अलावा उनके बीच पहले भी बहस हो चुकी है। प्रसाद ने कबूल किया है कि सोमनाथ ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया और धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी। शुरुआती जांच में पता चला है कि प्रसाद का मानसिक संतुलन ठीक नहीं है. पुलिस द्वारा प्रसाद से गहन पूछताछ की जा रही है.

विसर्जन जुलूस पर पत्थरबाजी पुलिस ने दर्ज किया मामला

भिवंडी.गणपति प्रतिमा विसर्जन के दौरान जुलूस पर मध्य रात्रि में वंजार पट्टी नाका पर हुई पत्थरबाजी से शहर का माहौल खराब हो गया था.उसी दिन नागांव क्षेत्र में भी विसर्जन के लिए जा रही एक गणेश प्रतिमा पर भी पत्थर फेंके जाने के खुलासे के बाद शांतिनगर पुलिस ने घटना में लिप्त आरोपी गायत्री नगर निवासी आकीब मगबुल खान(22) को गिरफ्तार कर लिया है.

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, नागांव गायत्री नगर में श्रीमती सुनीता पांडू पारसे गणेश विसर्जन के लिए रात्रि 8.30 पर अपने परिवार के साथ घर से मूर्ति विसर्जन को जा रही थी.आरोपी आकीब मगबुल खान ने गणेश विसर्जन जुलूस पर पत्थर फेंककर हिंदू धर्मावलंबियों की भावना को दुख पहुंचाया और शहर के शांतिप्रिय माहौल को बिगाड़े जाने की कोशिश की.पत्थरबाजी घटना की चश्मदीद गवाह मीनाक्षी राठौड़ के पैर, सुनीता पारसे की भतीजी संजना की आंख एवम कांती यादव पत्थर लगने से घायल हुए हैं.पुलिस पत्थरबाज युवक आकिब खान को दबोच कर अन्य साथियों का नाम तलाशने में लग गई है.

आम सूचना

मैं श्री ब्यास कुशवॉह सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, 11/01, राहुल नगर, न्यू टेलीफोन एक्सेंज के सामने, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 11एओ019330600) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती कलावती रामदरश यादव ने श्री नारायण झुबा बाविस्कर ने सेल एग्रीमेंट दि. 19.11.2015 द्वारा खरेदी है। मैंने श्रीमती कलावती रामदरश यादव से सेल एग्रीमेंट दि. 21.8.2024 सी.नं. 3830/2024 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-

श्री ब्यास कुशवाह

उल्हास वि NEWS
www.ulhasvikas.com
ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now
/ulhasvikas /ulhasvikas
/ulhasvikas /ulhasvikas

करीना ने फिल्म फेस्टिवल के लिए कराया फोटोशूट

बॉलीवुड में 25 साल पूरे होने पर मनाया जश्न

2000 में फिल्म 'रिफ्यूजी' से करीना कपूर ने डेब्यू किया था. 2024 में करीना को इंडस्ट्री में आए 25 साल हो गए. इस खास मौके पर पीवीआर ने केकेके फिल्म फेस्टिवल सेलिब्रेट किया.

पीवीआर आईनॉक्स ने करीना कपूर खान फिल्म फेस्टिवल अनाउंस किया है. पीवीआर ने ये इवेंट मुंबई में रखा जहां सबकी निगाहें करीना कपूर पर ही टिक गईं. करीना कपूर को फिल्म इंडस्ट्री में आए 25 साल हो गए हैं. इसी खास मौके पर पीवीआर ने करीना कपूर के लिए ये खास इवेंट आयोजित किया था. पीवीआर केकेके फिल्म फेस्टिवल के लिए करीना कपूर ने लेटेस्ट फोटोशूट कराया है. करीना ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें भी शेयर की हैं.

इन तस्वीरों में करीना कपूर ने गोल्डन-ब्लैक गाउन पहना हुआ है. इसके साथ उन्होंने गोल्डन जूलरी पेयर की. माथे पर काली बिंदी और स्मोकी आई मेकअप में बेबो खूबसूरत दिख रही थीं.

43 साल की करीना कपूर इस उम्र में भी बेहद खूबसूरत नजर आती हैं. इस लुक में करीना कपूर बेहद अट्रैक्टिव लग रही हैं और फैंस इन तस्वीरों को पसंद भी कर रहे हैं. करीना कपूर ने साल 2000 में फिल्म 'रिफ्यूजी' से बॉलीवुड डेब्यू किया था. ये फिल्म फ्लॉप रही लेकिन उनकी अगली फिल्म 'मुझे कुछ कहना है' हिट हुई थी. इसके बाद करीना कपूर ने कई फिल्में कीं लेकिन 'कभी खुशी कभी गम', 'ओमकारा', 'जब वी मेट', 'गोलमाल रिटर्न्स', 'सिंघम अगेन', 'हीरोइन', '3 इडियट्स', 'क्रू', 'गोलमाल 3' जैसी सुपरहिट फिल्मों में बतौर लीड एक्ट्रेस काम कर चुकी हैं.

Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel उल्हास वि NEWS

संस्थापक संपादक- स्व. श्री अशोक उकाराम बोधा
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर Since 1985
ULHAS VIKAS Hindi Daily By :- HERO ASHOK BODHA
www.ulhasvikas.com (Editor in Chief)
25 Lakhs THANK YOU Viewer's
25,00,000
उल्हास वि NEWS ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now
Thank you
Pageviews yesterday 2,763
Pageviews last month 76,471
Pageviews all time history 1,007,712
Followers 168

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099